राज्य के बालिका गृहों में रहने वाली 14 लडकियों को होटल मैनेजमेंट में बैंगलोर से डिप्लोमा कराएगी बिहार सरकार

आप सबों को यह जानकार बहुत खुशी होगी कि हमारे बिहार राज्य के बालिका गृह से कुल 14 बच्चियां अपने उज्जवल भविष्य की परिकल्पना एवं सपनों के साथ हवाई मार्ग से बेंगलोर जा रही हैं। आप सभी से अनुरोध है कि इन बच्चियों के बेहतर भविष्य की कामना करें।

अच्छी खबर • आज हवाई जहाज से बेंगलुरु जाएंगी बालिकाएं, कोर्स पर खर्च होंगे 14 लाख रुपए

राज्य के बालिका गृहों में रहने वाली 14 लड़कियों को होटल मैनेजमेंट में बेंगलुरु से डिप्लोमा कराएगी सरकार

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

राज्य के बालिका गृहों में रहने वाली 14 बालिकाओं को राज्य सरकार होटल मैनेजमेंट के लिए बेंगलुरु भेज रही है। इन बालिकाओं को बेंगलुरु स्थित ईसीएचओ सेंटर ऑफ जुवेनाइल जस्टिस के अंतर्गत यूरइंडियन एकेडमी में होटल मैनेजमेंट में एक वर्षीय डिप्लोमा के लिए भेजा जा रहा है। इस कोर्स के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि बालिकाओं को शत प्रतिशत प्लेसमेंट प्राप्त हो। बालिकाएं राज्य स्तरीय एक टीम के साथ 29 दिसंबर को हवाई जहाज के माध्यम में बेंगलुरु की यात्रा करेंगी। इस कोर्स में आने वाले सभी प्रकार के व्यय (लगभग 14 लाख की राशि) का वहन राज्य सरकार करेगी। विभाग का मानना है कि बालिकाएं इस कोर्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। बालिकाओं के सशक्तीकरण की दिशा में यह प्रयास एक मील का पत्थर साबित होगा। गत दो वर्षों में राज्य सरकार ने बाल संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए कई प्रयास किए हैं, जिनमें संस्थागत देखभाल के साथ-साथ संस्थान से बाहर निकलने वाले बच्चों के लिए प्रयास भी हो रहे हैं।

पिछले साल 39 बाल संरक्षण कर्मियों को भेजा गया था वहां

18 वर्ष के बाद बच्चों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आफ्टर केयर कार्यक्रम के तहत राज्य के विभिन्न बालिका गृहों में आवासित बच्चियों के लिए यह प्रयास शुरू किया गया है। गत वर्ष यूनिसेफ के सहयोग से राज्य के 9 प्रमंडलों के 36 बाल संरक्षण कर्मियों को बिहार एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत तीन अलग-अलग बैचों में बेंगलुरु भ्रमण कराया गया था।

कौशल विकास के लिए लिया गया निर्णय

समाज कल्याण मंत्री डॉ. अशोक चौधरी के अनुसार इस कार्यक्रम का उद्देश्य विधि-विवादित बच्चों के संदर्भ में बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों की बाल संरक्षण विषय पर बेहतर समझ विकसित करना, बच्चों के सर्वोत्तम हित के लिए किए जा रहे नवाचारों को समझना तथा उस मॉडल को बिहार में लागू करने की समझ बनाना एवं उसके मुताबिक उनके कौशल में वृद्धि करना है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्य के सरकारी बालिका गृहों से कोर्स में शामिल प्रशिक्षु बालिकाओं से चर्चा काफी सराहनीय एवं प्रेरक रही थी। इसी अनुभव के आधार पर विभाग ने यह कवायद की है।